CBSE MODEL TEST PAPER – 2010

हिन्दी कोर (कक्षा–XII)

सामान्य निर्देश –
1. प्रस्तुत प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड – क

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये। 15

खेती करना सीखने के पूर्व मनुष्य ने मछली मारना सीखा । सर्वप्रथम वह किसी हड्डी अथवा छड़ी से मछली पकड़ता था । जिसके दोनों सिरे नुकीले बनाए जाते थे, बीच में डोरी या रस्सी फँसाने के लिए छेद किया जाता था । उस हड्डी या छड़ी पर चारा चिपक दिया जाता था । जब मछली उसे निगलती तो डोरी या रस्सी खिंच जाती और वस्तु मछली के गले में अटक जाती थी । फिजी द्वीप समूह की जातियों द्वारा यह आदिम पद्धति अभी तक काम में लाई जाती है । इससे फँसाने वाले काँटो का विकास हुआ, किंतु धातु की खोज करने के पूर्व ये काँटे हड्डी, सीपी या चमकदार पत्थर से बनाये जाते थे । जालों का उपयोग भी किया जाता था और प्राचीन मिस्त्र के चित्रों से प्रमाणित होता है कि, तीन हजार पाँच सौ वर्ष पूर्व जालों का आसित्व था ।

मछली पकड़ने की से पद्धतियाँ – एकाकी अथवा लघु परिणाम में – उन्नीसवीं शताब्दी तक मूल रूप से अपरिवर्तित बनी रहीं, फिर महा. जाल की पद्धति का अविष्कार हुआ । महाजाल एक थैलेनुमा जाल होता है, जिसका चौड़ा मुँह शहतीर लगाकर खुला रखा जाता है और इसे नाव द्वारा नीचे–नीचे घसीटा जाता है । इंजन लग जाने पर ये नावें दूर–दूर तक जाने लगीं और अधिक मछलियाँ पकड़ने लगीं । नाव का आकार बड़ा करने पर भंडारण के लिए अधिक स्थान मिल गया । गति बढ़ाने का तात्पर्य यह हुआ कि मछलियाँ बंदरगाह तक यथाशीघ्र पहुँचने लगी । रेलवे निर्माण तथा प्रशीतन के अविष्कार ने मत्स्य उद्योग की संभावनाओं को विशेष रूप से उज्जवल बना दिया। अब उपभोक्ता नियमित और अविकृत रूप में मछली प्राप्त कर सकता था ।

बड़े पैमाने पर मछली पकड़ने की पद्धतियों में, नौकायन तथा प्रशीतन में उत्तर:ेत्तर सुधार होते रहने के कारण मत्स्य उद्योग ने एक विशाल उद्योग–धंधे का रूप धारण कर लिया है । मछली पकड़ने के सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान उत्तर:ी अटलांटिक महासागर में न्यू फाउंडलैंड तथा लैब्राडोर के समीप हैं, जहाँ अनेक राष्ट्रों के जहाजी बेड़ा 'हैरिंग', 'हैडॉक' तथा 'मेक्रील' जैसी मछलियाँ पकड़ते हैं । प्रशांत महासागर में सलामन, सार्डीन, तुना नामक मछलियाँ पकड़ी जाती हैं । जापान विश्व का सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक राष्ट्र है ।

भारत में यद्यपि ताजी मछली पसंद की जाती है (सूखी मछली का प्रयोग सीमित है), फिर भी विश्वभर में अनेक प्रकार से मछली खाई जाती है । उसे ठंडा बनाकर, जमाकर, भरकर फाँक बनाकर, धुँआ लगाकर, शोधित कर, नमक लगाकर, डिब्बा बंद कर, अचार बनाकर इत्यादि । जो अंश मनुष्य के खाद्य पदार्थ के रूप में प्रयुक्त नहीं हो सकता, उसे मत्स्य चूर्ण बना देते हैं । इसका प्रयोग चारे अथवा खाद के रूप में कर सकते हैं । मछली का एक महत्वपूर्ण उत्पाद सज्जा सामग्री के लिए तैयार की जाने वाली गोंद है ।

भारत जैसे देश में, जहाँ माँस अधिक नहीं खाया जाता मछली जैविक प्रोटीन का महत्वपूर्ण स्त्रोत हो सकती है । विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए भी यह एक उत्तम स्त्रोत हो सकती है । विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए भी यह एक उत्तम स्त्रोत है । सन् 1973 में भारत में 52300 टन समुद्री उत्पादों का निर्यात किया, जिसका मूल्य 89 करोड़ रूपये था । समुद्र की गहराई में जाकर मत्स्य उद्योग को विकसित करने के लिए भारत सरकार ने 200 जलपोत रखने का प्रस्ताव किया है । मद्रास, विशाखापट्टनम, कोचीन तथा कोलकाता जैसे विशाल बंद. रगाहों पर मछली पकड़ने के लिए अलग से बंदरगाह बनाने का कार्य प्रगति कर रहा है ।

1. उपरोक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिये ।
2. सर्वप्रथम मनुष्य मछली कैसे पकड़ता था ?
3. तीन हजार पांच सौ साल पहले मनुष्य पकड़ने के लिए जालों का प्रयोग करता था, कैसे प्रमाणित होता है?
4. उन्नीसवीं शताब्दी के बाद मछली पकड़ने की तकनीक में क्या परिवर्तन आया?
5. किसके आविष्कार ने मत्स्य उद्योग को उज्जवल बना दिया?
6. मछली पकड़ने का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान कौन सा है?
7. प्रशांत महासागर में कौन–कौन सी मछलियाँ पकड़ी जाती हैं ?
8. विश्वभर में मछलियाँ किस–किस प्रकार खाई जाती हैं ?
9. मत्स्य चूर्ण क्या है ? इसका प्रयोग कैस किया जाता है ?
10. निम्नलिखित वाक्यों को पूरा करें ।

क) उस हड्डी या छड़ी पर चारा ....।
ख) महाजाल एक थैलेनुमा जाल होता है, जिसका ....।
ग) मछली का एक महत्वपूर्ण उत्पाद सज्जा सामग्री ....।

प्र.2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये। 5

देख कर बाधा विविध, बहु विघ्न घबराते नहीं ।
रह भरोसे भाग्य के दुख भोग पछताते नहीं ।।
काम कितना ही कठिन हो किंतु उकताते नहीं ।
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं ।।
हो गए एक आन में उनके बुरे दिन भी भले ।
सब जगह सब काल में वे ही मिल फूले फले ।
काम को आरंभ करके यों नहीं जो छोड़ते ।
सामना करके नहीं जो भूल कर मुँह मोड़ते ।
जो गगन के फूल बातों से वृथा नहिं तोड़ते ।
संपदा मन से करोड़ों की नहीं जो जोड़ते ।।
बन गया हीरा उन्हीं के हाथों से है कार्बन ।
काँच को करके दिखा देते हैं वे उज्जवल रतन ।।

1. कैसा व्यक्ति असफल होकर दुख भोगता है ?
2. किन व्यक्तियों के बुरे दिन भी भले दिन बन जाते हैं ?
3. 'गगन के फूल बातों से तोड़ने' का आशय स्पष्ट कीजिए ।
4. किन लोगों के हाथ से काँच भी उज्जवल रत्न बन जाता है ?
5. किन लोगों के हाथ से हीरा भी कार्बन बन जाता है ?

अथवा

विश्व गगन पर अगणित गौरव के दीपक अब भी जलते हैं,
कोटि–कोटि नयनों में स्वर्णिम युग के शत सपने पलते हैं
शत–शत आघातों को सहकर जीवित हिंदुस्तान हमारा,
जग के मस्तक पर रोली सा शोभित हिंदुस्तान हमारा ।
और यह भी कि,
उस स्वर्ण दिवस के लिए आज से कमर कसें, बलिदान करें ।
जो पाया उसमें खो न जाएँ, जो खोया उसका ध्यान करें ।

1. उपर्युक्त कविता का शीर्षक लिखिए ।
2. संसार के नक्शे पर भारतवर्ष का लेखक किस प्रकार देखता है ?
3. लेखक ने क्या 'पाया' और क्या 'खोने' का भय उसे सताता है ?
4. शत–शत आघातों से कवि का अभिप्राय क्या है ?
5. विश्व गगन और कोटि–कोटि में प्रयुक्त विशिष्ट भाषा प्रयोगों का परिचय दीजिये ।

खण्ड – ख

प्र.3 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 400 शब्दों का निबन्ध लिखिए। 10

1. राष्ट्रीय एकता
2. बेकारी का समस्या
3. जीवन में खेलों का महत्व
4. साहित्य और समाज
5. विज्ञान और मानव कल्याण

प्र.4 अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखें, जिसमें अधिक चलचित्र देखने की हानियों पर प्रकाश डाला गया हो । 5

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र लिखिये।

प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए । 5

1. अंशकालिक पत्रकार से आप क्या समझते हैं ?
2. उल्टा पिरामिड का क्या आशय है ?
3. फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज का क्या आशय है ?
4. वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय किस भारतीय वेबसाइट को जाता है ?
5. प्रिंट मीडिया के अंतर्गत आने वाले दो माध्यमों का उल्लेख कीजिए ।

प्र.6 शहरी विकास की चुनौतियाँ शीर्षक से एक आलेख तैयार कीजिए। 5

अथवा

प्रात: जगिए और स्वस्थ रहिए । शीर्षक पर एक आलेख तैयार कीजिए।

खण्ड – ग

प्र.7 निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 8

धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ ।
काहू की बेटीसों बेटा न ब्याहब, काहू की जाति बिगार न सोऊ ।।
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रूचै सो कहै कछु ओऊ ।
माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबोको एकु न दैबको दोऊ ।।

क) तुलसी के स्वर में क्षोभ है – स्पष्ट कीजिए ।
ख) तुलसी अपने किस रूप पर गर्व करते हैं ?
ग) तुलसी अपने जीवन का निर्वाह किस प्रकार करते थे ?
घ) तुलसी फक्कड़ संत थे – सिद्ध कीजिए ।

अथवा

तब प्रताप उर राखि प्रभु जैहउँ नाथ तुरंत ।
अस कहि आयसु पाइ पद बंदि चलेउ हनुमंत ।।

क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए ।
ख) पद की भाषा बताइए ।
ग) पद में कौन–कौन–से अलंकार प्रयुक्त है ?
घ) पद में कौन–सा रस है ?

प्र.8 निम्नलिखित पद्यांशों का भाव सौन्दर्य तथा शिल्प सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। 6

क) जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ, भर–भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है ?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह ऊपर हम
मुसकाता चाँद ज्यो धरती पर रात भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता यह चेहरा है ।

1. भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए –
मुसकाता चाँद ज्यो धरती पर रात भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता यह चेहरा है ।
2. कवि किसे नहीं भुला पा रहा है ?
3. काव्यांश के मूल भाव को स्पष्ट करें ।
4. काव्यांश का कला पक्ष लिखिए ।

अथवा

ख) मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,
मैं बना–बना कितने जग रोज मिटाता
जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठकुराता ।

1. काव्यांश के मूल भाव को स्पष्ट करें ।
2. काव्यांश के कला पक्ष को व्यक्त करें ।
3. कवि के अनासक्त भाव को स्पष्ट करें ।

प्र.9 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए । 8

क) शीतल वाणी में आग के होने का क्या अभिप्राय है ?
ख) 'बात सीधी थी पर' कविता के बहाने बताएं कि 'सब घर एक कर देने के माने' क्या हैं ?
ग) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करूण रस के बीच वीर रस का अविर्भाव क्यों कहा गया है?

प्र.10 निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 8

सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है – नाम है लछमिन, अर्थात् लक्ष्मी । पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बंध सकी ।

1. सेवा–धर्म की किस उल्लेखनीय विशेषता के कारण हनुमान जी स्पर्द्धा के पात्र थे ?
2. भक्तिन कौन थीं ? उसकी मां को 'अनामधन्या' क्यों कहा गया है?
3. मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है – यह वाक्य किसके सन्दर्भ में और क्यों कहा गया है ?
4. कपाल की कुंचित रेखाओं के आशय को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

लुट्टन के माता–पिता उसे नौ वर्ष की उम्र में ही अनाथ बनाकर चल बसे थे । सौभाग्यवश शादी हो चुकी थी, वरना वह भी मां–बाप का अनुसरण करता । विधवा सास ने पाल–पोसकर बड़ा किया । बचपन में वह गाय चराता, धारोष्ण दूध पीता और कसरत किया करता था। गांव के लोग उसकी सास को तरह–तरह की तकलीफ दिया करते थे; लुट्टन के सिर पर कसरत की धुन लोगों से बदलने के लिए ही सवार हुई थी । नियमित कसरत ने किशोरावस्था में ही उसके सीने और बाँहों को सुडौल तथा मांसल बना दिया था । जवानी में कदम रखते ही वह गांव में सबसे अच्छे पहलवान समझा जाने लगा । लोग उससे डरने लगे और वह दोनों हाथों को दोनों ओर 45 डिग्री की दूरी पर फैलाकर, पहलवानों की भांति चलने लगा । वह कुश्ती भी लड़ता था ।

1. पाठ तथा पाठ के लेखक का नाम लिखिए ।
2. लुट्टन किस आयु में अनाथ हुआ और उसका पालन पोषण किसने किया?
3. बचपन में लुट्टन क्या किया करता था ?
4. लुट्टन पर कसरत की धुन क्यों सवार थी ?

प्र.11 निम्नलिखित में से 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।? 12

क) भक्तिन अपना वास्तविक नाम क्यों छुपाती थी ? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा ?
ख) गगरी फूटी बैल पियासा इंद्र सेना के इस खेलगीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखरित हुई है ?
ग) चार्ली चैप्लिन की फिल्मों में निहित त्रासदी, करूणा और हास्य का सामंजस्य भारतीय कला और सौन्दर्य शास्त्र की परिधि में क्यों नहीं आता?
घ) लाहौर अभी तक उनका वतन है और दिल्ली मेरा या मेरा वतन ढाका है । जैसे उद्‌गार किस सामाजिक यथार्थ का संकेत करते हैं ।
ड़) शारीरिक वंश–परपंरा की दृष्टि से मनुष्यों में असमानता संभावित रहने के बावजूद डॉ0 अंबेडकर 'समता' को एक व्यवहार्थ सिद्धांत मानने का आग्रह क्यों करते हैं ? इसके पीछे उनके क्या तर्क हैं ?

प्र.12 निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। 4

क) यशोधर बाबू की कहानी को दिशा देने में किशनदा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है । आपके जीवन को दिशा देने में किसका महत्वपूर्ण योगदान रहा और कैसे ?
ख) स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ?
ग) टूटे–फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ–साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज होते हैं। इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए ।

प्र.13 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए । 6

क) सिंधु सभ्यता का सौंदर्य–बोध समाज पोषित था – 'अतीत के दबे पांव' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।
ख) 'जूझ' कहानी के उद्‌देश्य पर प्रकाश डालिए ।
ग) 'सिल्वर वैल्डिंग' पाठ के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है ।

प्र.14 ''काश कोई ऐसा होता जो मेरी भावनाओं को गंभीरता से समझ पाता। अफ़सोस, ऐसा व्यक्ति मुझे अब तक नहीं मिला – क्या ऐन के इस कथन में उसके डायरी लिखने का कारण छिपा है? कारण सहित स्पष्ट कीजिए । 5

अथवा

आपके विचार से पढ़ाई लिखाई के संबंध में 'जूझ' पाठ के लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था या लेखक के पिता का ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

TIPS

1. छात्र आशावादी दृष्टिकोण अपनाए ।
2. स्वयं में विश्वास बनाए रखें ।
3. तनाव, भय व चिंता में न रहें ।
4. सभी प्रश्नों को ध्यान व धैर्य से पढ़ें ।
5. सभी प्रश्नों का सही क्रम में उत्तर दें ।
6. दिये गये गद्यांश व पद्यांश में से प्रश्न पूछे जायेंगे, अत: गद्यांश या पद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़िये, उत्तर उसी में हैं, यदि एक बार में समझ में में नहीं आया तो पुन: धैर्य के साथ पढ़िये ।
7. भाषा सरल व सुस्पष्ट होनी चाहिए ।
8. वाक्य छोटे व सरल लिखिये, जिसमें गलती होने की संभावना कम है ।
9. प्रत्येक कविता का प्रतिपाद्य आपको आना चाहिए, जिससे आप उससे संबंधित सभी प्रश्नों के उत्तर दे पाएं।

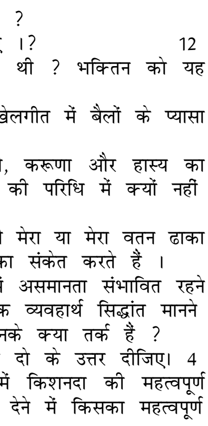

अनीता शर्मा
हिन्दी विभागाध्यक्ष
दिल्ली पब्लिक स्कूल, मेरठ

नोट– यह एक सैंपल पेपर है। जरूरी नहीं कि इसी में से परीक्षा में प्रश्न आएं।